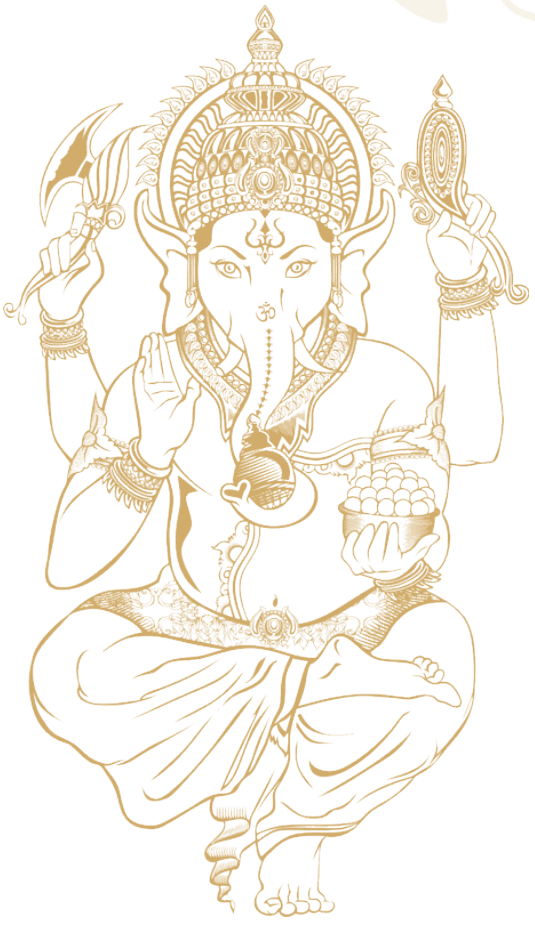

Ashok Kumar

Aradhana

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121203702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/02/1999	जन्म तिथि	16/04/2002
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 06:46:00	जन्म समय	09:15:00 घंटे
घटी 00:50:36	जन्म समय(घटी)	09:01:26 घटी
India	देश	India
Uprara	स्थान	Uprara
22:39:00 उत्तर	अक्षांश	22:39:00 उत्तर
82:48:00 पूर्व	रेखांश	82:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:01:12	स्थानिक संस्कार	00:01:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:25:45	सूर्योदय	05:38:25
17:59:00	सूर्यास्त	18:19:20
23:50:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 0वर्ष 3मा 18दि	15:28:57	कुंभ	लग्न	मिथु	00:10:14	सूर्य 0वर्ष 1मा 29दि
राहु	10:07:33	कुंभ	सूर्य	मेष	02:05:59	राहु
12/06/2016	09:19:58	वृष	चंद्र	वृष	09:38:06	15/06/2019
12/06/2034	15:19:45	तुला	मंगल	वृष	07:46:09	15/06/2037
राहु 23/02/2019	24:54:29	कुंभ	बुध	मेष	11:46:38	राहु 25/02/2022
गुरु 18/07/2021	08:23:34	मीन	गुरु	मिथु	14:53:29	गुरु 21/07/2024
शनि 24/05/2024	07:37:06	मीन	शुक्र	मेष	24:24:05	शनि 28/05/2027
बुध 12/12/2026	05:35:43	मेष	शनि	वृष	17:59:03	बुध 14/12/2029
केतु 30/12/2027	28:14:17	कर्क व	राहु व	वृष	25:04:30	केतु 02/01/2031
शुक्र 30/12/2030	28:14:17	मक व	केतु व	वृश्चि	25:04:30	शुक्र 02/01/2034
सूर्य 24/11/2031	20:07:26	मक	हर्ष	कुंभ	04:02:35	सूर्य 26/11/2034
चन्द्र 25/05/2033	09:10:17	मक	नेप	मक	16:53:36	चन्द्र 27/05/2036
मंगल 12/06/2034	16:33:08	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	23:33:19	मंगल 15/06/2037

लग्न-चलित

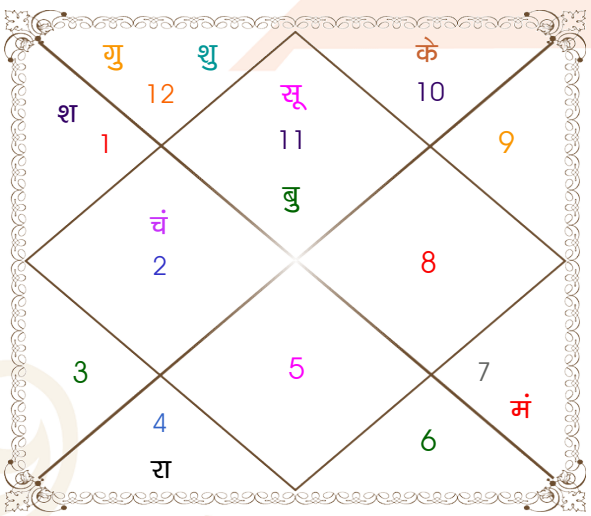

लग्न-चलित

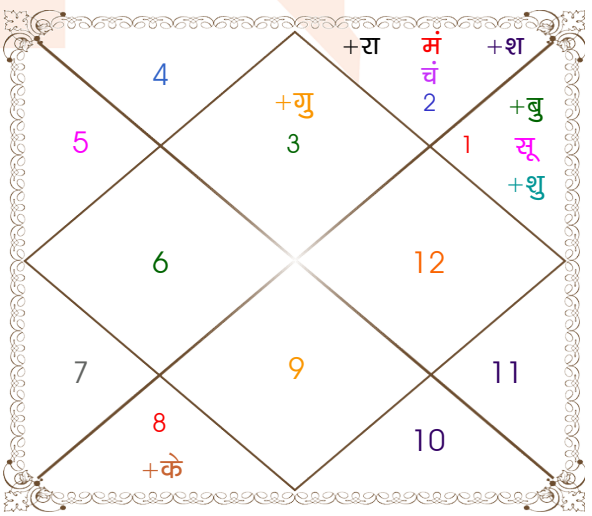

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मेष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

ीवा ज्ञनउंत का वर्ग गरूड़ है तथा ।तंकींदं का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीवा ज्ञनउंत और ।तंकींदं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीवा ज्ञनउंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

।तंकींदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।तंकींदं कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।तंकींदं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ेावा ज्ञनउंत कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ेावा ज्ञनउंत तथा ।तंकींदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।